Ev – गेहूँ और जंगली पौधों का दृष्टान्त मत्ती १३:२४-३० | 1

– Save This Page as a PDF–

गेहूँ और जंगली पौधों का दृष्टान्त

मत्ती १३:२४-३०

गेहूँ और जंगली पौधों के दृष्टांत का एक मुख्य बिंदु यह है कि
सच्चे रोपण की नकल झूठी प्रति-रोपण द्वारा की जाएगी।

बीज के अपने आप उगने (सच्चे) और गेहूँ और जंगली घास (झूठे) के दृष्टान्तों से युक्त पहले दोहे के भाग के रूप में, हम गेहूँ के बीच बिखरे हुए घास-फूस को देखते हैं। यह दृष्टांत हमें सिखाता है कि परमेश्वर के वचन के सच्चे रोपण के साथ-साथ नकली रोपण भी होगा। जैसा कि मसीह ने पृथ्वी के छोर तक सुसमाचार के बीज को बिखेरने के अपने आने वाले मंत्रालय के लिए अपने टैल्मिडिम को तैयार करना जारी रखा (मत्ती २८:१९-२०), वह चाहता था कि वे दुश्मन और नकली रोपण के बारे में जागरूक रहें जो भ्रष्टाचार का दृश्यमान चर्च को प्रदर्शित करेगा। अच्छे गेहूँ और नकली गेहूँ के बीच एक स्पष्ट अंतर होगा।

इस्राएल को पवित्र माना जाता था और उसे अपने आसपास के सभी राष्ट्रों से अलग रखा जाता था। जब इब्राहीम के बच्चों को मोशे के हाथ से सिनाई पर्वत के नीचे यहोवा के साथ वाचा दी गई, तो टोरा में ६१३ आज्ञाओं का विवरण दिया गया था। स्वच्छ और अशुद्ध भोजन, प्रसव, त्वचा रोग, फफूंद और शारीरिक स्राव के बीच अंतर से संबंधित आज्ञाएँ थीं। निषिद्ध भोजन खाने, अवैध यौन संबंध, पवित्र जीवन के संबंध में विभिन्न आदेश, पाप के लिए दंड, पुजारियों के लिए नियम, निन्दा के लिए दंड, और आज्ञाकारिता के लिए वाचा के आशीर्वाद और अवज्ञा के लिए शाप के बारे में आज्ञाएँ थीं। अर्थात्, इज़राइल को अपने आस-पास के अन्यजातियों का गवाह माना जाता था। क्यों? ताकि सरकार की नजर में अंतर आ जाए और वे उन मतभेदों के पीछे का कारण पूछ सकें। तब इस्राएल उन्हें अपने परमेश्वर की ओर संकेत कर सकता था।

आज, विश्वासियों को हमारे चारों ओर बुतपरस्त दुनिया की तरह नहीं रहना चाहिए। योचनान हमें बताते हैं: संसार या संसार की किसी भी चीज़ से प्रेम मत करो। यदि कोई संसार से प्रेम रखता है, तो उस में पिता का प्रेम नहीं। क्योंकि संसार में जो कुछ है – शरीर की अभिलाषा, आंखों की अभिलाषा, और जीवन का घमण्ड – पिता से नहीं, परन्तु संसार से आता है (प्रथम यूहन्ना २:१५-१६)। फिर भी, केवल एक पीढ़ी पहले विश्वासियों के बीच अनसुना पाप अब आम हो गया है। यदि पश्चाताप, जीवन की पवित्रता, और मसीहा के आधिपत्य के प्रति समर्पण सभी वैकल्पिक हैं, तो हमें विश्वासियों से खोए हुए लोगों से अलग होने की उम्मीद क्यों करनी चाहिए? कौन कह सकता है कि लोग

Ev – गेहूँ और जंगली पौधों का दृष्टान्त मत्ती १३:२४-३० | 2

केवल इसलिए विश्वासी नहीं हो सकते क्योंकि वे परमेश्वर के प्रति जिद्दी विद्रोह में रहते हैं? यदि कोई आस्तिक होने का दावा करता है, तो हम वास्तव में कैसे जानते हैं (यहूदा पर मेरी टिप्पणी देखें Ah – ईश्वरविहीन लोग गुप्त रूप से आपके बीच में आ गए हैं)?

दुखद परिणाम यह है कि बहुत से लोग सोचते हैं कि ईश्वर की संतानों के लिए शत्रु की तरह रहना काफी सामान्य है। इसके लिए एक शब्द भी है – “शारीरिक आस्तिक।” कौन जानता है कि कितने लोग जो शैतान की तरह जी रहे हैं, उन्हें यह सुझाव देकर आध्यात्मिक सुरक्षा की झूठी भावना में डाल दिया गया है कि वे केवल शारीरिक हैं? हाँ, विश्वासी पापी स्वभाव के साथ पैदा होते हैं और जीवन भर पाप करते रहते हैं। लेकिन शारीरिक स्थिति में रहना, यहोवा की चीजों के प्रति अटूट उदासीनता या विरोध की जीवनशैली नहीं होनी चाहिए।

विश्वासी शैतान की संतान होने का दिखावा नहीं करते। बिल्कुल उलटा सच है; धोखा देने वाला ज्योतिर्मय स्वर्गदूत होने का दिखावा करता है, और उसके सेवक धर्मी सन्तान का अनुकरण करते हैं (दूसरा कुरिन्थियों ११:१४-१५)। जब बाइबल भेड़ को बकरियों से अलग करने की कठिनाई को स्वीकार करती है (प्रकाशित वाक्य Fc – भेड़ और बकरी पर मेरी टिप्पणी देखें), मुद्दा यह नहीं है कि विश्वासी अधर्मी लग सकते हैं, बल्कि यह है कि अधर्मी अक्सर धर्मी प्रतीत होते हैं। या दूसरे तरीके से कहें तो, झुंड को भेड़ के भेष में भेड़ियों की तलाश में रहना चाहिए, न कि सहनशील भेड़ को भेड़ियों की तरह व्यवहार करना चाहिए।



यीशु ने उन्हें एक और दृष्टान्त सुनाया:
स्वर्ग का राज्य उस मनुष्य के समान है जिसने अपने खेत में अच्छा बीज बोया। जब सब लोग सो रहे थे, तो उसका शत्रु आया और गेहूँ के बीच जंगली घास बिखेरकर चला गया

Ev – गेहूँ और जंगली पौधों का दृष्टान्त मत्ती १३:२४-३० | 3

(१३:२४-२५)। खरपतवार (या केजेवी में तारे) ज़िज़ानियन से हैं, एक प्रकार का डेरनेल खरपतवार जो अनाज के बजाय बेकार बीज पैदा करता है। यह गेहूं से इतना मिलता- जुलता था कि इसे “बास्टर्ड गेहूं” के नाम से जाना जाता था। यह उस चीज़ का प्रतिनिधित्व करता है जिसे वानस्पतिक रूप से “दाढ़ीदार डारनेल” (लोलियम टेमुलेंटम) के रूप में जाना जाता है, एक जहरीली राई घास, जो मध्य पूर्व में बहुत आम है। जब तक इसका बीज परिपक्व नहीं हो जाता, तब तक इसे असली गेहूं से अलग करना लगभग असंभव है, यहां तक कि सबसे सावधानीपूर्वक जांच के बाद भी। इसकी जड़ें जमीन के अंदर रेंगती हैं और अच्छे गेहूं की जड़ों से जुड़ जाती हैं। समानता के कारण, पड़ोसी के अच्छे गेहूं के बीज पर इन जंगली पौधों को बिखेरना इतना सामान्य कार्य था कि रोम ने ऐसा करना अपराध बना दिया। यह एक प्रतिद्वंद्वी को बर्बाद करने का एक विनाशकारी तरीका था, क्योंकि इससे उसकी फसल बेकार हो गई – और इस तरह उसकी आय का मुख्य स्रोत समाप्त हो गया।

लेकिन अगर हम यह ध्यान में रखें कि रब्बियों के अनुसार वे सिखाते हैं कि जलप्रलय से पहले सभी बीज एक जैसे थे, तो इस दृष्टांत का अर्थ बढ़ जाता है। परन्तु जलप्रलय के परिणामस्वरूप, जंगली घास एक पतित प्रकार की जंगली घास बन गई जो पृथ्वी की भ्रष्टता के कारण अच्छे बीज से उत्पन्न हुई। अब, दुर्भाग्य से, वे सभी क्षेत्रों में आम हैं; फल प्रकट होने तक गेहूँ से पूर्णतया अप्रभेद्य: हानिकारक, जहरीला, और गेहूँ से अलग करने की आवश्यकता, ऐसा न हो कि अच्छा गेहूँ बेकार न हो जाए।

उन्हें साथ-साथ बढ़ने दिया जाएगा। जब गेहूँ उग आया और बालें बन गईं, तब जंगली घास भी दिखाई देने लगी। मालिक के नौकर उसके पास आये और बोले, “महोदय, क्या आपने अपने खेत में अच्छा बीज नहीं बोया था? फिर जंगली पौधे कहाँ से आये?” “एक दुश्मन ने ऐसा किया,” उसने उत्तर दिया। इसलिये सेवकों ने उससे पूछा, “क्या तुम चाहते हो कि हम जाकर उन्हें खींच लायें?” “नहीं,” उसने उत्तर दिया, “क्योंकि जब तुम जंगली घास उखाड़ोगे, तो तुम उनके साथ गेहूँ भी उखाड़ सकते हो। फ़सल कटने तक दोनों को एक साथ बढ़ने दो। उस समय मैं फसल काटनेवालों से कहूंगा, पहिले जंगली पौधे इकट्ठा करो, और जलाने के लिये उनके गट्ठर बान्ध लो; फिर गेहूँ इकट्ठा करके मेरे खलिहान में ले आना” (१३:२६-३०)।

इस दृष्टान्त का क्या अर्थ हो सकता है? यह आश्चर्य की बात है कि समुद्र के किनारे की भीड़ ने नहीं पूछा, लेकिन वे शायद सच्चाई जानने की तुलना में चमत्कार देखने और भोजन पाने में अधिक रुचि रखते थे (यूहन्ना ६:२६)। हालाँकि, टैल्मिडिम जानना चाहता था। मत्ती १३:३६ कहता है कि जब प्रभु भीड़ को छोड़कर पतरस के घर में प्रवेश कर गए (देखें Ez – एक घर में राज्य के निजी दृष्टान्त), प्रेरितों ने उनसे अकेले में कहा: हमें खेत में जंगली पौधों का दृष्टांत समझाओ (देखें Fa – जंगली घास का दृष्टान्त समझाया गया)।

Ev – गेहूँ और जंगली पौधों का दृष्टान्त मत्ती १३:२४-३० | 4

हम नौ दृष्टांतों को देखने जा रहे हैं जो विचार के बुनियादी प्रवाह को विकसित करते हैं: (१) मिट्टी का दृष्टांत (ईटी) हमें सिखाता है कि पूरे चर्च युग में सुसमाचार के बिखरने पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएँ होंगी। (२) बीज के अपने आप उगने का दृष्टांत (ईयू) सिखाता है कि सुसमाचार के बीज में एक आंतरिक ऊर्जा होगी जिससे वह अपने आप जीवन में आ जाएगा। (३) गेहूँ और जंगली घास का दृष्टांत (ईवी) सिखाता है कि सच्चे रोपण की नकल झूठे प्रति-रोपण द्वारा की जाएगी।

१९१५ में पादरी विलियम बार्टन ने लेखों की एक श्रृंखला प्रकाशित करना शुरू किया। एक प्राचीन कथाकार की पुरातन भाषा का उपयोग करते हुए, उन्होंने अपने दृष्टान्तों को सफेड द सेज के उपनाम से लिखा। और अगले पंद्रह वर्षों तक उन्होंने सफ़ेद और उसकी स्थायी पत्नी केतुराह के ज्ञान को साझा किया। यह एक ऐसी शैली थी जिसका उन्होंने आनंद लिया। कहा जाता है कि १९२० के दशक की शुरुआत तक सफ़ेद के अनुयायियों की संख्या कम से कम तीन मिलियन थी। एक सामान्य घटना को आध्यात्मिक सत्य के चित्रण में बदलना हमेशा बार्टन के मंत्रालय का मुख्य विषय रहा है।

जब मैं उन जड़ों को काट रहा था जो कतूरा ने बीज सूची बनाने वाले से खरीदी थी, तो मुझे एक जड़ मिली जो जमीन से चिपकी हुई थी, और मैंने उसे पकड़ लिया, और मैंने कहा, यह वह जड़ है जो पैदा करती है लेबल नहीं। मुझे पता नहीं यह क्या है। देख, मैं नहीं जानता, तौभी मैं इसे लगाऊंगा, और देखूंगा कि क्या निकलता है।

कतूरा ने उत्तर दिया, क्या तू नहीं जानता कि वह क्या है? यह एक सिंहपर्णी है जिसे तुमने फूलों के लिए छेद बनाने के लिए खोदा था। और मुझे शर्म आ रही थी कि मुझे यह पहले से नहीं पता था। फिर भी, जब वह मुझे बता रही थी तब भी मैंने देखा कि यह क्या था। क्योंकि मैं पूरी तरह से अज्ञानी नहीं हूं, हालांकि फिलहाल मैं मूल को नहीं जानता था कि यह क्या था।

और मैंने अपने हाथ में सिंहपर्णी की जड़ देखी। और मैंने इसे देखा, और देखा कि यह पृथ्वी में कितनी गहराई तक धँसा हुआ था, और इसने अपनी एक लंबी जड़ के साथ मिट्टी को कितनी मजबूती से पकड़ रखा था, और जिस तरह से इसने टिके रहने की योजना बनाई थी, उसकी मैं प्रशंसा करता हूँ।

और मैंने शीर्ष पर देखा, और यद्यपि ऐसा लग रहा था कि इसमें जीवन नहीं है, फिर भी वहां पत्तियां मुड़ी हुई थीं और खुद को आगे की ओर धकेलने के लिए तैयार थीं, हां, और एक कली थी जो जैसे ही अपना सिर जमीन से ऊपर उठाने के लिए तैयार थी सर्दी बीत चुकी थी.

और मैंने सिंहपर्णी से कहा, देखो, तुम एक भाग्यशाली पौधा हो। तू अपनी जड़ को बहुत गहराई तक डुबाता है। आप किसी भी इंजीनियर को ज्ञात सबसे मजबूत निर्माण के रूप में अपना खोखला डंठल भेजते हैं। नरम नीचे की आपकी सफेद गेंद प्रकृति में सबसे

Ev – गेहूँ और जंगली पौधों का दृष्टान्त मत्ती १३:२४-३० | 5

सुंदर और नाजुक चीज है; हां, और यहां तक कि आपका पीला फूल भी अद्भुत है, क्योंकि हर छोटी पीली पत्ती एक फूल है। इसके अलावा, यह आपकी गलती नहीं है कि आपने आपको खरपतवार कहा है। यदि तुम्हें विकसित करना कठिन होता, तो हम तुम्हारी जड़ों के लिए अच्छा पैसा देते, और तुम्हें आगे बढ़ाने के लिए अपनी कमर तोड़ देते, और घोषणा करते कि हरे लॉन पर अपना सोना छिड़कते हुए तुम्हें देखना, बागवानी की पूर्णता थी। न तो तू ने पाप किया, और न तेरे माता-पिता ने, फिर भी तू तुच्छ और तिरस्कृत हुआ है, और भले लोग तुझ से प्रेम नहीं करते।

और जब मैंने इन बातों के बारे में सोचा, तो मैं अपने दिल में यह नहीं पा सका कि मैं इतनी अद्भुत और इतनी भाग्यशाली जिंदगी को खत्म कर दूं; न ही मैं इसे अपने बगीचे में चाहता था। हालाँकि, मैं इसे अपने घर के पीछे वाली गली में ले गया और मैंने इसे वहाँ लगा दिया। और मैंने कहा, अब प्रभु निर्णय करें कि क्या यह बेहतर नहीं होगा कि आपको वहां उगना चाहिए, बजाय इसके कि जमीन को टीन के डिब्बे से ढँक दिया जाए।

फिर भी मैंने इधर-उधर देखा और तेजी से घर की ओर लौटा, कहीं ऐसा न हो कि मेरे पड़ोसियों को पता चल जाए कि मैंने डेंडिलियन लगाया है।

और कौन जानता है कि मैं ने ठीक किया या ग़लत? यदि सभी लोगों के सामने के लॉन में सिंहपर्णी पर कोई बड़ी मार पड़े, तो क्या वे आएंगे और मेरी गली में खोजेंगे, और मेरे सिंहपर्णी का बीज मांगेंगे।

यद्यपि डेंडिलियन को उसके जीवन के लिए लड़ने का मौका देने के लिए मुझे डांटा गया है, फिर भी मैं उन लोगों को जानता हूं जिनका जीवन खरपतवार के समान था, जिन्हें परमेश्वर ने अपनी दया से बचाया, और वे अद्भुत और अप्रत्याशित अच्छाई में खिले।